भाषा विद्याशाखा
UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)

एम0ए0 प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

संस्कृत

जमा करने की अन्तिम तिथि 15 मई 2013

कोर्स शीर्षक- वेद एवं निरूक्त **कोर्स कोड** -एम0ए0एसएल 101

ग्रीष्मकालीन सत्र 2012-13 **अधिकतम अंक** -40

यह सत्रीय कार्य दो खण्डों में विभक्त है। खण्ड 'क' में आठ प्रश्न दिये गये है। उनमें से किन्ही चार के उत्तर अधिकतम 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। खण्ड 'ख' मे 4 प्रश्न दिये गये हैं जिनमें से किन्ही 2 प्रश्नो के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

खण्ड 'क

1 उपसर्ग किसे कहते हैं 1
2 इन्द्र का स्वरूप क्या है ।
3 उषस् सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।
4 योगरूढ़ किसे कहते हैं ।
5 उपनिषद् शब्द का अर्थ एवं उनकी संख्या बताइए ।
6 ईशोपनिषद् का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।
7 आचार्य पाणिनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
8 **तदेजति तन्नैजति तद् दूरे तद्वन्तिके ।**
तदन्तरस्य सर्व स्य तदु सर्वस्यास्य वाहयत: ।। मन्त्र की व्याख्या कीजिए ।

खण्ड ख

1 निरूक्त का महत्व बताइए ।
2 विद्या और अविद्या क्या है स्पष्ट कीजिए ।
3 उषा की विशेषताओं का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए ।
4 वेदांगो में शिक्षा का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।